No. of Printed Pages : 3 **MJY-003**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.जे.वाई.-003 : पंचांग एवं मुहूर्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर विस्तत रूप में दीजिए। 3×20=60

1. पंचांग किसे कहते हैं ? भारतीय पंचांग के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. पंचांग निर्माण की परम्परा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. पठित अंश के आधार पर पंचांग निर्माण की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

4. तिथि किसे कहते हैं ? इसके साधन के नियमों का वर्णन कीजिए।

5. वार से आप क्या समझते हैं ? वार साधन के विविध पक्षों पर प्रकाश डालिए।

6. नक्षत्र का परिचय देते हुए नक्षत्र साधन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. पंचांग भेद के कारणों का वर्णन कीजिए।

2. तिथि तथा वारों में कृत्याकृत्य विचार का उल्लेख कीजिए।

3. तिथि वृद्धि एवं तिथि क्षय का वर्णन कीजिए।

4. नक्षत्र गणना के ऐतिहासिक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए नक्षत्रों की तारा संख्या और स्वामी का वर्णन कीजिए।

5. भद्रा से आप क्या समझते हैं ? इसके स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. मुहूर्त की अवधारणा और सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

7. संस्कार किसे कहते हैं ? धार्मिक और सामाजिक रूप में इनकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

8. संस्कारों के प्रयोजन से आप क्या समझते हैं ? इनकी आवश्यकता का वर्णन कीजिए।